

**B.A. (S-III)/H/2021/CC-V(CBCS) (Sanskrit)**

B. A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : CC V**

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. अधस्तनेषु प्रश्नेषु 'क' विभागात् प्रश्नचतुष्टयम्, 'ख' विभागात् प्रश्नद्वयं च स्वीकृत्य प्रश्नषट्कं समाधेयम्। तेषु यत्किञ्चन द्वितयं संस्कृतभाषया लेख्यम्।

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে চারটি এবং 'খ' বিভাগ থেকে দুটি প্রশ্ন নিয়ে মোট ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। এর মধ্যে যে কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে) 5×6=30

**क-विभाग**

- a) 'न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्'—कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तमिदं व्याख्यायताम्।

(‘ন প্রভাতরলং জ্যোতিরুদেতি বসুধাতলাৎ’—এই দুটি পদ দিয়ে কি বোঝানো হয়েছে? কোন্ প্রসঙ্গে বক্তা এই মন্তব্য করেছেন?)

- b) বঙ্গভাষয়া অনুবাদত (বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর)।

सरसिजमनुबिद्धं शैबलेनापि रम्यं

मलिनमपि हिमांशोर्लम्बु लम्बीं तनोति।

ইয়মধিকমনোজ্ঞা বঙ্কলেনাপি তন্নী

কিমিব হি মধুরাণাং মগুনং নাকুতীনাম।

- c) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् (सप्रसङ्गं व्याख्या कर)।

रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्

पर्युत्सुको भवति यत् सुखितोऽपि जम्बुः।

তচ্চেতসা স্মরতি নূনমবোধপূর্বং

ভাবস্থিরাণি জননাস্তরসৌহৃদানি।।

- d) भावः सम्प्रसार्यताम् (भाव सम्प्रसारण कर)।

সতাং হি সন্দেহপদেষু বস্তুষু প্রমাণমন্তঃকরণপ্রবৃত্তয়ঃ।

**B.A. (S-III)/H/2021/CC-V(CBCS) (Sanskrit)**

- e) 'धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोक—भीतः'—धर्मारण्यमिति पदेन बुध्यते किम्? उक्तेरस्यः भावस्वरूपं विस्मियताम्।  
(धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः'—धर्मारण्यं बलते की बोधो? आलोच्य उक्तिरिर् भावस्वरूपं विस्मियण कर।)

**ख-विभाग**

- f) 'मृच्छकटिकम्' इति प्रकरणस्य नामकरणस्य तात्पर्यमालोचयत।  
(‘मृच्छकटिकम्’—एइ प्रकरणेर नामकरणेर तात्पर्य आलोचना कर।)  
g) भासनाटकचक्रमुल्लिख्य तेषाम् उत्सन्निरूपणं कुरु।  
(भासनाटकचक्रेर नाम उल्लेख करे तादेर उत्सन्निरूपण कर।)  
h) कालिदासरचितखण्डकाव्ययोः परिचयः प्रदेयः।  
(कालिदास रचित खण्डकाव्यदुटिर परिचय दाओ।)

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु 'क' विभागतः प्रश्नद्वयम्, 'ख' विभागात् एकं प्रश्नं स्वीकृत्य समाधेयम् प्रश्नद्वयम्।  
(निम्नलिखित प्रश्नगुलिर मध्ये 'क' विभाग थेके दुटि एवं 'ख' विभाग थेके एकटि प्रश्न निये मोट तिनटि प्रश्नेर उन्तर दाओ)।  
10×3=30

**क-विभाग**

- a) अभिज्ञानशकुन्तलम् इति नाटके दुर्वाससः अभिशापस्य नाटकीयं वैशिष्ट्यम् आलोचयत।  
(अभिज्ञानशकुन्तलम् नाटके दुर्वासार अभिशाप-एर नाटकीय तात्पर्य आलोचना कर।)  
b) कालिदासस्य 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटकस्य अभिवर्धने विदूषकस्य भूमिकामालोचयत।  
(कालिदासेर 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' नाटकेर अग्रगतिते विदूषक-एर भूमिका निर्धारण कर।)  
c) महाकविकालिदासस्य अभिज्ञानशकुन्तलम् इति नाटकस्य नामकरण-तात्पर्यं व्याख्येयम्।  
(महाकविकालिदासेर अभिज्ञानशकुन्तलम् नाटकेर नामकरणेर तात्पर्य व्याख्या कर।)

**ख-विभाग**

- a) नाट्यकाररूपेण भवभूतेः कृतिहमालोचयत।  
(नाट्यकार हिसेवे भवभूतिर कृतिह विचार कर।)  
b) टीका लेख्या (टीका लेख)।  
i) मुद्राराक्षसम्।  
ii) प्रियदर्शिका।